वार्षिक विवरणी
Annual Report 2017-18

Indian Institute of Carpet Technology
Chauri Road, Bhadohi - 221401,(U.P.) INDIA

वर्ष 2017-18 के दौरान आईआईसीटी की एसजीएम व एजीएम की बैठक के समय लिये गये फोटो स्नैप
Snap shots taken during SGM & AGM Meeting of IICT during the year 2017-18

सत्यमेव जयते

indian handicrafts
भारतीय हस्तशिल्प
continuing tradition

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान
IICT

अध्यक्ष

शांतमनु, भा.प्र.से.
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
Shantmanu, I.A.S.
Development Commissioner (Handicrafts)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
पश्चिमी खण्ड-7, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली—110 066

Government of India
Ministry of Textiles
West Block-7, R.K. Puram,
New Delhi-110 066

Message From The Desk of Chairman

I am pleased to present the Annual Report of IICT for the year 2017-18.

IICT has been working with its four portfolios: Human Resource Development (HRD), Design Creation & Development (DCD), Research & Development (R&D) and Technical Support to Industry (TSI) and the performance achieved is commendable and praiseworthy.

The Institute has been involved in various industry driven projects like CHCDS, Skill Development under HRD, Research & Development Project and completed successfully. Besides, above various workshops/ seminars for youths of carpet industry were conducted under sponsored projects from the O/o DC (HC). IICT has been playing a vital role to the carpet & textile industry in terms of above portfolios.

The carpet industry has been benefitted by availing the laboratory & consultancy services of IICT. In addition to exclusive B. Tech. course in Carpet & Textile Technology, the institute has also been conducting industry driven short term course in carpet design, computer & management and carpet yarn dyeing.

As a Chairman of IICT, I am committed to develop the institute with all required facilities to serve the Carpet industry.

I wish that IICT would continue its efforts through its various portfolios for overall support / development of carpet industry.

Shantmanu, IAS
DC (Handicrafts) & Chairman,
Indian Institute of Carpet Technology, Bhadohi

indian भारतीय handicrafts हस्तशिल्प continuing tradition

Tel : +91 - 11 - 26106902, 26103562 • Fax No. : +91 - 11 - 26163085 • E-mail : dchejs@nic.in • Website http://handicrafts.nic.in

उपाध्यक्ष

रत्नेश कुमार झा, भा.रे.या.से.
अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
Ratnesh Kumar Jha, I.R.T.S.
Addl. Development Commissioner (Handicrafts)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
पश्चिमी खण्ड-7, रामकृष्ण पुरम,
नई दिल्ली—110 066

Government of India
Ministry of Textiles
West Block-7, R. K. Puram,
New Delhi-110 066

Message From The Desk of Vice- Chairman

I am pleased with the extraordinary performance that IICT has achieved in all its four portfolios as depicted in the Annual Report for the year 2017-18.

It is a matter of pride that the stakeholders have explored the utilization of portfolios gainfully, which is evident from the absorption of B. Tech. Students, availing of the laboratory & providing consultancy services continuously.

I am convinced about the continuous improvement of the institute through constant endeavor made by institute members.

The IICT has put admirable efforts in conducting various awareness training/workshop/seminar for providing technical knowledge to the industry including SC/ST artisans.

Similarly in other portfolios too IICT is proactive and industry friendly and hence deserves to be congratulated.

I wish IICT to keep up its good work and establishes itself as an international centre of excellence and learning.

[Ratnesh Kumar Jha]
Addl. DC (Handicrafts) &Vice-Chairman,
Indian Institute of Carpet Technology, Bhadohi

Tel : +91 - 11 - 26191569 • Fax No. : +91 - 11 - 26163085 • E-mail : dchejs@nic.in • Website http://handicrafts.nic.in

प्रभारी निदेशक

प्रभारी निदेशक
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),
वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के अधीन
अ.क.प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध एवं
आभातशिप,भारत सरकार द्वारा अनुमोदित

Director In Charge,
Indian Institute of Carpet Technology
Under the aegis of the
development Commissioner (Handicrafts),
Ministry of Textiles, Govt. of India
Affiliated with A. K. Technical University
& Approved by AICTE, Govt. of India

राजेन्द्र प्रसाद, आई ए एस, प्रभारी निदेशक व जिलाधिकारी, भदोही
Rajendra Prasad, IAS, Director In Charge & District Magistrate, Bhadohi

Message from The Desk of Director in Charge

I am feeling delighted to present the annual report of IICT for the year 2017-18, indicating the achievements of the set targets during the year with the involvement of dedicated team members.

The performance of the Institute in all the portfolios like, Human Resource Development (HRD), Design Creation & Development (DCD), Research & Development (R&D) & Technical Support Service to Industry (TSI), is encouraging and motivating to put more dedicated efforts for attaining the new heights.

The passed out B. Tech. students of IICT are Serving the Carpet & allied Industry up to the satisfaction of the employer and trying to contribute the best possible efforts in the journey towards the growth & development of the industry.

The commitment of the staff is praise worthy to make IICT a centre of Excellence in all the portfolios as mentioned above.

Support of the Development Commissioner (Handicrafts) & Chairman, IICT, in all our endeavors to achieve the set targets is praise worthy and is acknowledged.

I also acknowledge the support of Vice-Chairman, IICT, Executive Committee (EC) members, U.P.Gov. Local Administration, Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University, AICTE in our efforts.

Co-operation from Carpet Export Promotion Council (CEPC),All India Carpet Manufacturer Association (AICMA), RCMEA,-Jaipur, EUPEA - Varanasi, AICEA-Mirzapur, AICYSDA-Bhadohi etc. made the success-journey, a pleasure & more rewarding .

We, express our commitment for discipline and total dedication for best performance.

Rajendra Prasad
DM, Bhadohi &
Director In-Charge,IICT

पता – चौरी रोड, भदोही – 221401 ; फोन / Phone: + 91 5414 228404, 228409, 225504, फैक्स / Fax: 05414 225509
Address: Chauri Road,Bhadohi - 221401 ; ई-मेल/ Email: iict@iict.ac.in, वेबसाइट / Website: http://iict.ac.in

विषय सूची : Contents

	पृष्ठ संख्या	Page Number	
भा०का०प्रौ०सं०: एक दृष्टि में	01	48	IICT- At A Glance
उपलब्धियाँ	02	49	Achievements
संस्थान कार्यकारिणी समिति	03-04	50-51	Executive Committee of IICT
गुणवत्ता नीति एवं लक्ष्य वक्तव्य	05	52	Quality Policy & Mission Statement
संस्थान के संविभाग	06-10	53-57	Institute's portfolio
संस्थान का दृष्टिकोण	11	58	Vision of the Institution
परियोजनाऐं	12-13	59-60	Projects
शैक्षणिक एवं अन्य पाठ्येत्तर क्रियाकलाप	14	61	Academic and Other Curricular Activities
अधिकारियों/कर्मचारियों की सूचीं	15	62	Officers/ Employees List
संस्थान में आगमन	16-19	63-66	Visits to the institute
संगोष्ठी, सम्मेलन,कार्यशालाऐं,भागीदारी	20-21	67-68	Seminars, Conferences, Workshops,Participation
ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण	22	69	Graphical representation
अंकक्षित लेखा प्रपत्र एवं अंकेक्षक रिपोर्ट 2016–17	24-42	68-86	Audited Statement of Accounts and Auditor's Report 2016-17

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने **भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान** (आई0आई0सी0टी0) की स्थापना सन् 1998 में `संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक सोसाइटी के रूप मे पंजीकृत कराकर स्थापित किया। संस्थान ने 2001 में 20 सीटो के साथ बी0 टेक0 पाठ्यक्रम संचालित कर अपना कार्य प्रारम्भ किया,जो कि अब 60 सीटें हो चुकी है। आई0आई0सी0टी0 सम्पूर्ण एशिया में अपने प्रकार का एकमात्र संस्थान है। आई0आई0सी0टी0 की स्थापना वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कालीन एंव संबंधित उद्योगों को सभी अपेक्षित तकनीकी योगदान प्रदान करने हेतु की गई है। संस्थान ने छात्रों द्वारा उद्योग जगत की लम्बे अवधि से चली आ रही तकनीकी विशेषज्ञों की मांग पूरा करने की हर सम्भव प्रयास किया है। संस्थान उद्योगों की अपेक्षित आवश्यकतानुसार, प्राप्त अनुभव के अनुरुप, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्थान से निकले अन्य

प्रशिक्षित छात्रों ने भी उद्योग जगत में अहम भूमिका निभाते हुये उचित स्थान बनाया है। सस्थान की प्रयोगशालायें `अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड' द्वारा प्रमाणित है। संस्थान के परीक्षण प्रमाण पत्र की मान्यता विश्व के तमाम देशो में है। संस्थान का बी0 टेक0 पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एवं डा0 ए. पी. जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ से सम्बद्य है।

संस्थान के बी0 टेक0 पाठ्यक्रम की सभी सीटो में प्रवेश **केन्द्रीय सीट निर्धारण बोर्ड (सी0एस0ए0बी0)** द्वारा किया जाता है। संस्थान, बी0 टेक0 के अतिरिक्त आई0 डी0 एल0 पी0 के अन्तर्गत 7 विभिन्न कोर्स एवं 3 अन्य अल्पकालिक कोर्स संचाालित कर रहा है।

परिसर एवं सुविधाएँ

आई0आई0सी0टी0 विश्व में भारत के कालीन नगरी के नाम से प्रसिद्ध भदोही में स्थापित है। भारत सरकार ने भदोही एवं उसके सन्निकट जिलों के प्रसिद्ध कालीन क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना उन्हे हर सम्भव तकनीकी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से की है। भदोही पावन नगरी वाराणसी से लगभग 45 किलोमीटर तथा प्रयाग नगर इलाहाबाद से लगभग 75 किलोमीटर और मीरजापुर से 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। आई0आई0सी0टी0 परिसर भदोही रेलवे स्टेशन से लगभग 4 किमी की दूरी पर भदोही कस्बे के वाह्यांचल में मुख्य सड़क, चौरी रोड, पर स्थित है। परिसर पूर्णतया प्रदूषण रहित एवं अध्ययन और शोध के लिए एक शांतिमय वातावरण में है।

संस्थान परिसर 10 एकड़ से अधिक भू क्षेत्र पर फैला हुआ है, जिसके सुरूचिपूर्ण कलात्मक प्रशासनिक भवन में प्रशिक्षण कक्ष, प्रयोगशालायें, सम्मेलन कक्ष, पुस्तकालय, परिकल्पकक्ष, कार्यशाला,संगणक कक्ष, अध्यापक कक्ष तथा संग्रहालय स्थित हैं। परिसर में ही छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग छात्रावास, कर्मचारियों के लिए आवासीय व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु खुले वातावरण में रंगशाला, खेलकूद के मैदान, सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित है। संस्थान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भदोही के पिपरिस नामक स्थान पर 16.5 एकड भूमि अधिग्रहित कर ली गयी है। जिसमें निर्माण व विकास कार्य किया जा रहा है।

भाकाप्रौसं उपलब्धियां

The Textile Institute

Upon the recommendation of the Professional Qualifications Committee the Governing Council of The Textile Institute agreed to accredit the following programmes as fulfilling the academic requirements for the Associateship of The Textile Institute for the inclusive period Jan 2014 to Dec 2018

Indian Institute of Carpet Technology

B. Tech in Carpet & Textile Technology
(Specialisations: Advanced in Carpet Technology/Home Textile Technology Textile Design Technology)

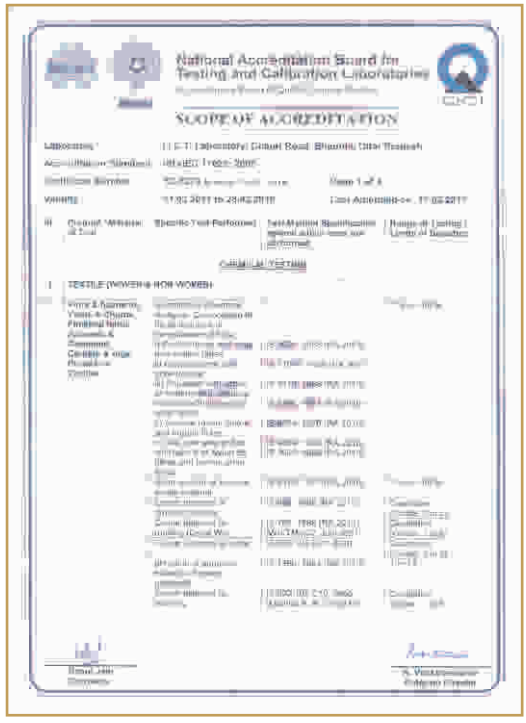

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

SCOPE OF ACCREDITATION

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

I.I.C.T. LABORATORY

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO/IEC 17025:2005

"General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories"

for its facilities at

Chaun Road, Bhadohi, Uttar Pradesh

in the field of

TESTING

की कार्यकारिणी समिति

समिति के सदस्य : 31 मार्च 2018 की स्थिति

1. श्री शान्तमनु, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं अध्यक्ष, आई. आई. सी. टी. ,कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) ,पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर. के. पुरम्, नईदिल्ली -110066.
2. श्री रत्नेश कुमार झा, अतिरिक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं उपाध्यक्ष, आई0आई0सी0टी0, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर.के. पुरम्, नईदिल्ली -110066.
3. भूतपूर्व सचिव, लघु इकाई उद्योग एवं निर्यात संवर्धन, उ.प्र. सरकार, चौथा तल, सचिवालय, लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनेक्सी), लखनऊ - 226001 या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
4. निदेशक (वित्त),वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार। उद्योग भवन, नई दिल्ली या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
5. विभागीय आयुक्त, विंध्याचल मंडल, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश।
6. जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर- भदोही, भदोही, उत्तर प्रदेश।
7. प्रबंध निदेशक, यूपी निर्यात निगम, मोतिमाहल, 2 ए, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ।
8. अध्यक्ष / कार्यकारी / निदेशक, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, तीसरा तल, निर्यात भवन, राव तुला राम मार्ग, वसंत विहार, आर्मी हास्पिटल रिसर्च एंड रेफरल के सामने, नई दिल्ली - 110057
9. अध्यक्ष, अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ, मर्यादपट्टी, भदोही।
10. अध्यक्ष, भारतीय वूलन मिल्स फेडरेशन, चर्चगेट चैंबर्स, 7 वां तल, न्यू मरीन, मुंबई - 400 020 या उनके नामांकित के रूप में महासचिव।
11. सीनियर फैकल्टी / डीन / रजिस्ट्रार, आई आई सी टी- निदेशक द्वारा नामांकित।
12. श्री भोलानाथ बरनवाल, मैसर्स भोलनाथ कार्पेट्स लिमिटेड, जी टी रोड, कछवॉ, वाराणसी -221307.
13. श्री के.आर. वाटल, मैसर्स चिनार इंटरनेशनल, सी -153, सक्टर 63, नोएडा-201 301 उत्तर प्रदेश।
14. कार्यकारी निदेशक, केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, सरकार। भारत, सी -3, शास्त्री नगर, शास्त्री नगर सर्कल के पास, जोधपुर- 342 003 (राज.)
15. कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय डिजाईन एवं उत्पाद विकास केंद्र (एन सी डी पी डी) (वस्त्र मंत्रालय द्वारा स्थापित) हाल नं. 1 (तीसरा तल), राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन, बाबा खड़क सिंह मार्ग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110 001.
16. विभाग प्रमुख, वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग, आई आई टी, हौज खास, नई दिल्ली।
17. प्रधानाचार्य, राजकीय इंजीनियरिंग एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी कालेज, 12, विलियम केरी रोड, सेरामपुर, हुगली -712201, पश्चिम बंगाल, भारत।
18. सचिव, वस्त्र समिति, भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय, पी. बालू रोड, प्रभादेवी चौक, प्रभादेवी, मुंबई - 400 025 - आमंत्रित किया गया
19. निदेशक, सी.एस.टी.आर.आई, सी. एस. बी. कम्प्लेक्स, बी.टी.एम. लेआउट, मदीवला, बंगलौर,।
20. डा0 आर0 एस0 राठौर, निदेशक (प्रशासनिक), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अभातशिप), नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली -110070
21. प्रो0 अरिन्दम बासु, महा निदेशक , निट्रा, सेक्टर 23, राज नगर, गाजियाबाद -201002।
22. निदेशक या नामांकित, परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड, एनएबीएल हाउस, प्लाट नं। 45, सेक्टर 44, गुड़गांव - 122002, हरियाणा
23. वरिष्ठ एडी / एडी, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर के पुराम, नई दिल्ली-110066
24. निदेशक ,आई. आई. सी. टी. एवं मेम्बर सेक्रेटरी,

भाकाप्रौसं

कार्यकारिणी समिति की सम्पन्न बैठकें

वर्ष के दौरान

58वीं	कार्यकारिणी समिति बैठक	आई आई सी टी भदोही में	दि0 01.11.2017
57वीं	कार्यकारिणी समिति बैठक	नई दिल्ली में	दि0 04.07.2017
16वी	वार्षिक सामान्य बैठक	नई दिल्ली में	दि0 04.07.2017

भाकाप्रौसं

संगठनात्मक ढ़ाचा

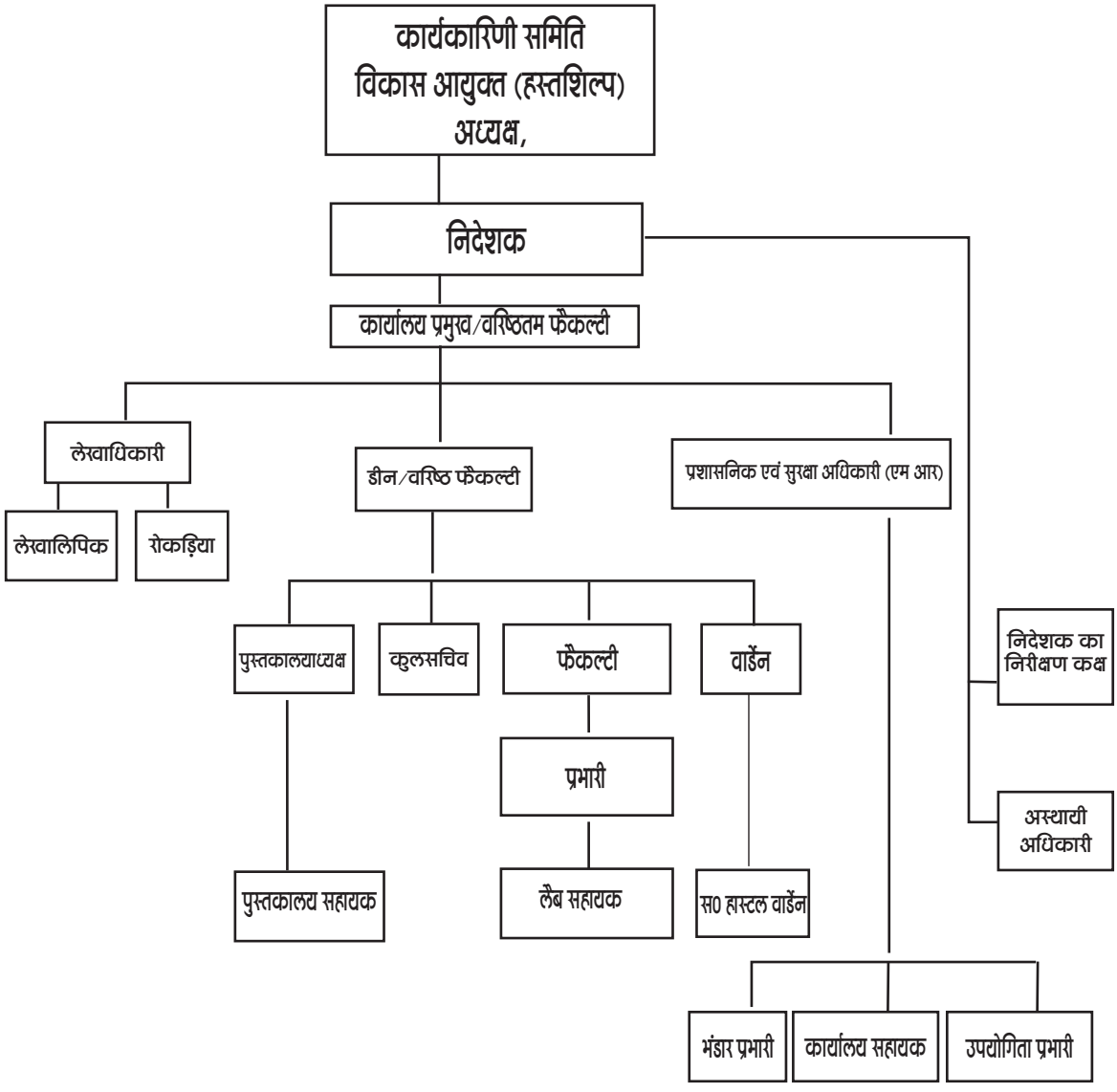

गुणवत्ता नीति

- संस्थान के छात्रों को गुणवत्तापूरक शिक्षा देना जो सहभागियों की पूर्वानुमानित आवश्यकताओं को पूर्ण करने का लक्ष्य पूराकर सके।
- उद्योग एवं अन्य सभी सहभागियों को समस्त विभागों मे सामयिक एवं सन्तोषजनक सेवाएँ प्रदान करना।
- मानदण्डों की आवश्यकताओं का पालन करते हुए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को निरन्तर उन्नत करना।

लक्ष्य–वक्तव्य * कर्मचारी

हम, भारतीय कालीन प्रौद्यौगिकी संस्थान के स्टाफ सदस्य शपथ लेते हैं कि :

हम प्रतिदिन की समन्वय तथा/या साप्ताहिक पुन:निरीक्षण बैठकों के माध्यम से सभी प्रकार के मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करेंगें। इस व्यवस्था के तहत सभी स्टाफ सदस्य भा0का0प्रौ0स0 प्रबन्धन का हिस्सा बनेंगे तथा निष्ठा के साथ प्रसन्न रहेंगे।

- हम प्रो0(डा0) के0के0गोस्वामी, निदेशक, भा0का0प्रौ0स0 के निर्देशन में इस भागीदारी प्रबन्धन व्यवस्था के तहत कार्य करने के लिये प्रतिबद्ध है, जिससे कि सभी प्रतिष्ठा धारक जैसे कि उद्योग सहयोगी, छात्रा छात्राऐं,वस्त्र मंत्रालय, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),वितरक/ठेकेदार/सेवा प्रदान करने वाले/समाज, संचारतंत्र आदि सभी भा0 का0 प्रौ0 स0 का एक अभिन्न अंग बन सकें।
- हम त्वरित कार्यवाही स्वीकार करने, दिये गये कार्य संस्कृति विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। भा0का0प्रौ0स0 इस तरह से सभी प्रकार की गुणवता पद्धति को मन तथा वचन से स्वीकार करते हुए एक कार्य संस्कृत विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

भा0का0प्रौ0स0 इस तरह से सभी प्रकार की गुणवता पद्धति जैसे कि आई0एस0ओ0 9000, एन0 ए0 बी0 एल0, वूलमार्क अपनाने के लिये कटिबद्ध है।

लक्ष्य–वक्तव्य ** विद्यार्थी

हम, भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थी शपथ लेते हैं कि :

- हम एक आदर्श मापदण्ड निर्धारित करेगें तथा नवागन्तुक विद्यार्थियों से अच्छा व्यवहार करेगें तथा उनसे भी यही अपेक्षा रखेगें।
- हम कक्षाओं में समय पर तथा नियमित रहेंगें व शत–प्रतिशत उपस्थिति रखेगें।
- हम कड़ी मेहनत करेगें तथा अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में अच्छा परिणाम देगें।
- हम विश्वविद्यालयी परीक्षाओं में अच्छा करेगें व यह सुनिश्चित करेगें कि कोई कैरी ओवर/बैकलाग न हो।
- हम अनुशासन व संस्थान की मर्यादा बनाये रखते हुए भा0 का0 प्रौ0 सं0 के शिक्षकों/स्टाफ सदस्यों का सम्मान करेगें।
- हम प्रयोगशालाओं/ढांचा/प्रांगण विकास के लिए स्वेच्छा से श्रमदान करते हुए निष्ठावान रहेगें।
- हम एक इकाई के रूप में कार्य करेगें व अपने कनिष्ठ विद्यार्थियों व स्वयं के लिए शैक्षणिक के साथ ही साथ सहशैक्षणिक गतिविधियों में नई ऊँचाईयां तय करेगें, जिससे कि इस संस्थान को एक उत्कृष्टता का केन्द्र व ज्ञान का मंदिर बनाने का स्वप्न साकार हो सके।
- हम अपने भविष्य के लिए विश्वसनीय एवं उत्कृष्ट बनेगें तथा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिये छाया चिन्ह बनेगें।

संस्थान के संविभाग

आई0आई0सी0टी0 निम्नलिखित चार संविभागो पर कार्य कर रहा है ▸ संविभागानुसार कार्यों का विवरण :

1- एच आर डी (मानव संसाधन एवं विकास),

संस्थान में दीर्घावधि बी0टेक एवं सनद (डिप्लोमा) विषयक पाठ्यक्रमों में अध्ययन आरंभ है।

वर्ष 2001 में कालीन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी सी0 टी0 टी0 पाठ्यकम में बी0 टेक0 की शुरूआत हुई है, इसके उपरान्त कालीन प्रौद्योगिकी कोर्स पाठ्यकम मे विशिष्टता(CTT), घरेलू पहनने योग्य वस्त्रों की प्रौद्योगिकी (HTT) वस्त्र डिजाइन प्रौद्योगिकी को भी समग्र रूप से बी0 टेक0 सी0 टी0 टी0 पाठ्यकम में समवित किया गया है जिसे डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ से अनुमोदन प्राप्त है और टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट मैनचेस्टर, यू0 के0 से प्रत्यायित है। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही (उत्तर प्रदेश) को स्टार परफार्मर होने पर डाक्टर ए.पी.जे.अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ का दो बार पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

431 विद्यार्थी, विभिन्न उद्योगों(जिसमे उच्च शिक्षा शामिल है) जैसे IITS, NITIE, ISM, IIM, NIFT प्रतिष्ठित मुख्य संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

228 छात्र स्नातक उपाधि प्राप्त करने जा रहे है प्रत्येक वर्ष जुलाई महीने में 60 विद्यार्थी नौकरी देने के लिए उपलब्धी तैयार होते हैं जिन्हें उद्योगों आगे आने एवं इन्हें संसाधन के उपयोग करने की अपेक्षा की जाती है।

आगामी योजना:- आगामी योजनानुसार कार्पेट एण्ड टेक्सटाइल प्रबन्धन पाठ्यकम एवं पूर्व पी0 एच0 डी0 (वस्त्र) पाठ्यकमों में 20 छात्रों को समाविष्ट करना संस्थान द्वारा प्रस्तावित है। कार्पेट एण्ड होम टेक्सटाइल के उत्पादन जैसे फैशन/स्टाईल/टेक्स्चर, डिजाइन, इन्फार्मेशन टेक्नालाजी इ.डी.पी. पर्सनालिटी डेवलपमेंट लैंग्वेज स्किल एवं इंगलिश के अतिरिक्त अन्य विदेशी भाषाओं के अध्ययन/अध्ययन की व्यवस्था एवं सुधार हेतु कुछ और प्रयोगशालाओं का निर्माण प्रस्तावित है। ताकि नवीन किया कलापों अपूर्वता हासिल हो सके।

उपरोक्त प्रयासो के कम में भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही (उ0 प्र0) युक्त पवित्र पहुॅच की कामना करता है। डी0 पी0 आर0 फेज-तीन के विस्तार की योजना रोड मैप में दर्शित है।

अन्तराष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा प्राप्ति कार्यकम (आई0 डी0 एल0 पी0)

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही ने ए0 जी0 रिसर्च न्यूजीलैण्ड के सहयोग से एवं क्म्बए ळव्प्ब मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अन्तर्राष्टीय दूरस्थ शिक्षा प्राप्ति कार्यकम के तहत प्रमाण-पत्र उपाधिपत्र के अध्ययन पाठ्यकम की शुरूआत की है। छात्रों का नामॉकन की प्रकिया चल रही है, कार्यशील व्यक्ति इसका फायदा विस्तृत रूप से ले सकते है।

अल्पावधि पाठ्यकम भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही उद्योगों में उपयोगी अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यकमों को समय-समय पर कार्यान्वित करता रहता है।

1. बुनियादी वस्त्र प्रौद्योगिकी डिप्लोमा	(छ: प्रमाणपत्र विषयक)
2. ऊन सफाई प्रौद्योगिकी	(छ: प्रमाणपत्र विषयक)
3. वस्त्र रंगाई एवं परिष्किरण	(छ: प्रमाणपत्र विषयक)
4. कालीन सूतों का निर्माण	(छ: प्रमाणपत्र विषयक)
5. कालीन तकनीकी	(छ: प्रमाणपत्र विषयक)
6. वस्त्र सूतों का निर्माण	(छ: प्रमाणपत्र विषयक)
7. कालीन एवं वस्त्र परिकल्पन	(छ: प्रमाणपत्र विषयक)

उद्योगोन्मुख विशेष पाठ्यकम और अन्तर्राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा पाठ्यकम पैकेज - 11 छात्र, अध्ययनरत ।आई0आई0सी0टी0 द्वारा एजी रिसर्च न्यूजीलैण्ड के साथ संचालित अन्तर्राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा पाठ्यकमके अंतर्गत पूर्वलिखित विषयों (प्रति विषय प्रशिक्षण शुल्क की दर रू0 6000/- मात्र) में नामांकन कराकर उद्योग संगठन लाभ ले सकते है। आई0 डी0 एल0 पी0 डिप्लोमा धारी छात्रों को बी0 टेक कोर्स हेतु योग्य/ उपयुक्त बनाने हेतु प्रयास जारी है। .

माड्यूलर इम्प्लायमेन्ट स्कीम(एम.इ.एस.) में आधारित पाठ्यकम:- कालीन निर्माण में कम्प्यूटर की उपयोगिता सम्बन्धी पाठ्यकम, कम्प्यूटर एडेड डिजाईन द्वारा कालीन एवं टेक्सटाईल डिजाइन से सम्बन्धित पाठ्यकम,कालीन में प्रयुक्त ऊनी धागे की कताई का पाठ्यकम, कालीन की धुलाई एवं सुन्दरता पूर्ण करने सम्बन्धित पाठ्यकम अब तक कालीन बुनाई को कारीगरों की कमी को दूर करने के प्रयास में 5000 बुनकरों को प्रशिक्षण किया जा चुका है।

आइ0 एस0 डी0 एस0 परियोजना –इस योजना के अन्तर्गत 1138 प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षित किए गए

सी एच सी डी एस योजना के अन्तर्गत: कालीन बुनाई प्रशिक्षण में 3500 प्रशिक्षुको को प्रशिक्षण दिया जा चुका है शेष 1500 प्रशिक्षुको को आगामी फेज में अनुदान प्राप्ति के उपरान्त प्रशिक्षित किया जायेगा। भारतीय कारीगरो को पैदा करने की चेष्टा एवं उपरोक्त कार्यकमों द्वारा उद्योगो को हुनर युक्त मैनपावर उपलब्ध कराना कारीगरों की कमी को दूर करने की दिशा मे संस्थान दृढ़ संकल्प है ।
(उद्योगो से अपेक्षा की जाती है कि वे आगे बढ़े और वॉछित जनसंख्या लाभॉश का फायदा उठायें।) . .

2. डी0 सी0 डी0 (डिजाइन क्रियेशन एण्ड डेवलपमेण्ट)

IICT PORTFOLIO
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के संविभाग

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही के डिजाइन बैंक विभाग ने अब तक तकरीबन 15000 से अधिक डिजाइनों के स्केच को सृजित किया है, व लगभग 3500 डिजाइनो को उद्योगों ने वाणिज्यिक उपयोग हेतु इस्तेमाल किया है। परम्परागत भारतीय मोटिफ/डिजाइनो के उत्पादन बतौर हड़प्पा अजन्ता मुगल, रॅगोली,जयपुरी, फुलकरी, कांथा, पैथनी कलमकारी, बनारसी जामेवार इत्यादि, आधुनिक मोटिफ आदि। मौजूदा चलन के अनुसार

उद्योग विस्तृत रूप से आगे आए डिजाइन बैंक की सलाह व लाभ, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की रचनात्मकता व विकास स्थानीय लागत पर लें।

(उपरोक्त पहल कारीगरों के वंन एवँ डिजाइनों की रचना को केन्द्रीकृत करने कालीन एवं वस्त्रों के उत्पादकता के क्षेत्र में भारतीय डिजाइनों को विस्तृत करने एवं मेक इन इण्डिया को अनुपूरित करने में सहायक होगा।)

(चालू वित्तीय वर्ष में) 2017-18

डिजाइन प्रयोगशाला (डिजाइन उद्योगों की बेचा)	05
डिजाइन बैंक के अन्तर्गत सृजित डिजाइनें	84

कारपेट सैम्पलिंग मशीन : यह मशीन उद्योगों द्वारा 18"×18" के आदि प्रारूप नमूना (प्रोटोटाईप सैम्पल) बनाने के काम में प्रयुक्त होती है।

3 – रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट (आर0 एण्ड डी0)

IICT PORTFOLIO

उत्पादों का विकास/सृजन
संस्थान के स्तर पर कुछ उत्पादों के विकास जैसी प्रकियाएँ अब तक पूर्ण की जा चुकी है अथवा विभिन्न सहयोगों द्वारा पूर्ण की जानी है जो निम्नवत हैं,

1– क्वायर वेस्ट कार्पेट
2– सिल्क कार्पेट
3– ऐरी सिल्क कार्पेट
4– मोडाकाइलिक बेस्ट कार्पेट
5– हैण्डमेड ऐस्टोरफं टाइप कार्पेट
6– नेचुरल फाइवर बेस्ट कार्पेट
7– नेचुरल डाईंग
8– आर्गेनिक पोडक्र
9– सबस्टीटयूट टू पालिस्टर सैजी
10– बुजबुन यूटीलाइजेशन
11– वर्टिकल ब्लाइण्ड
12– क्वायर पेपर एण्ड क्वायर सिल्क

क्वायर सिल्क उत्पादन को बढ़ाने हेतु भारतीय कालीन प्रौद्योगीकी संस्थान भदोही एवं सी0 सी0 आर0 एलेप्पी, केरल, क्वायर बोर्ड कोची के प्रोत्साहन से एक दूसरा क्रांतिकारी अनुसंधान की शुरूआत की गयी है। रेयान मैन्यू फैक्यरिंग कम्पनी (ग्रासिम एण्ड सेन्चुरी रेयान) के सहयोग व्यापारिक उत्पादन के स्तर पर परीक्षण आरम्भ किया गया है। इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान का लाभ कोकोनट उपजाने एवं इसके उद्यमीकरण को प्रोत्साहन देने वाला एवं कोकोनट उत्पादन उपज वर्धक करने वाले राज्यों जैसे केरल तमिलनॉडु को क्वायर सिल्क पेपर एवं क्वायर सिल्क बनाने में मिलेगा। उद्योगों से ज्यादा संख्या में इसमे आगे आने उत्पादकता एवं विकास बढ़ाने, बैकों ज्यादा लाभ लेने एवं इसको कम मूल्य में दुनियॉ/देशों को आपूर्ति करने की अपेक्षा की जाती है। उपयुक्तता की चेष्टा के दृष्टिकोण से एवं मेड इन इण्डिया मिशन की अनुपूरित करने अलेषण करने हेतु उद्योगों से निम्नलिखित को विकसित करने की अपेक्षा है।

- इर्गोनामिक एण्ड फ्लेक्सीबल टफ्टिंग फ्रेम की अवधारणा।
- कास बार हॉरिजान्टल लूम सी. बी. एच. एल. (लकडी/ धातु) हैण्डनाटेड, तिब्बती सैगी, सुमैक आदि कालीनों की बुनाई के लिए।

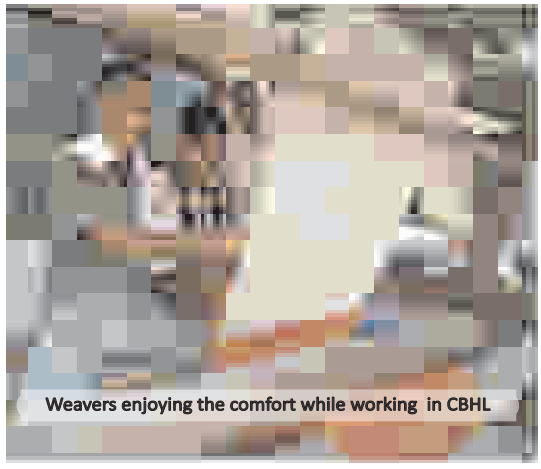
Weavers enjoying the comfort while working in CBHL

- **India Knot:** A proprietary one of IICT which permits semi knotting in loom, a supplement to Make in India Mission - Industry to come forward & Explore

स्नेहाभा कार्पेट बैकिंग सिस्टम:–

पालीमर बैकिंग टेक्नोलाजी लाइट वेट वाशेबुल रिपोर्टेड इटस फीचर एण्ड फिजिबिलटी इन पब्लीकेशन्स लाइक कार्पेट इ वर्ल्ड

टेरी लिनो स्टक्चर : एक दूसरी नई प्रभावी कम कीमत/ खर्च की टेरी स्ट्रक्चर की कार्पेट बनाने एवं बेचने का अधिकार स्वामित्व संस्थान ने मेक इण्डिया योजना के तहत शुरू किया है।

इस अनुसंधान एवं विकास की धारणा का लाभ टावेल इन्डस्ट्री कार्पेट एवं होम टेक्सटाइल्स क्षेत्र, विपणन/बाजार साझेदारी व्यापार एवं निस्पादन करने कार्य में ले सकते हैं।

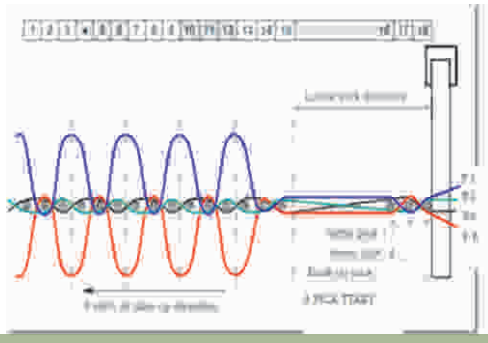

• यूनिवसिट रिलेशन एमांग्स्ट डाइमीटर एण्ड लीनियर डेंसिटी

शैक्षिक क्रियाकलापों का प्रकाशन मेक इन इण्डिया लक्ष्य के मद्देनजर संस्थान द्वारा किया जाता है।

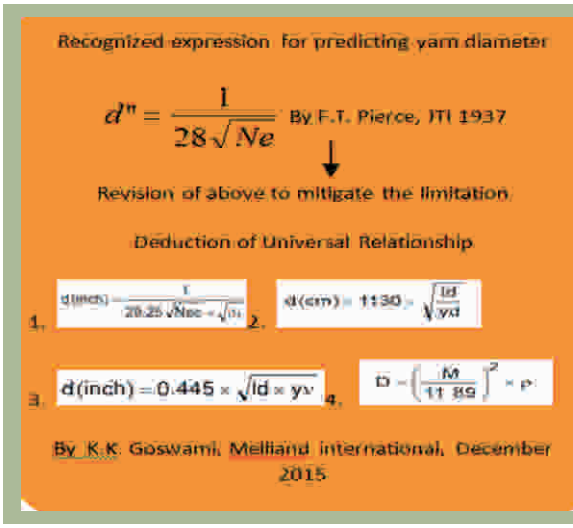

अब तक कालीन उद्योग को संस्थान द्वारा 17,170 परीक्षण सेवाए प्रदान की जा चुकी है।

संस्थान द्वारा कई एक कालीन इकाईयों एवं अन्य कई प्रतिष्ठित कालीन उद्योग संगठनों को उद्योग सम्बन्धी मंगणाएँ सलाह दिया जा चुका है। अनुसंधान के तहत संस्थान स्थानीय उद्योग इकाईयों को सम्पर्क एवं साक्षात्कार तथा उनकी समस्याओं के निराकरण की नि:शुल्क सेवाएं प्राप्त कराता है।

Carpet Wear & Abrasion Tester

* कार्प कास्ट साफ्टवेयर

Carpet Wear & Abrasion Tester

संस्थान द्वारा नकल रहित कार्पकास्ट का विकास किया गया है ।जो कि सी० डी० के रूप में हस्तनिर्मित कालीनों की लागत गणना के लिए प्रयोग हेतु उपलब्ध है। साफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने के कार्य मे संस्थान लगा हुआ है एवं उद्योगों के सहयोग मद्देनजर साफ्टवेयर की कीमत रू25,000/– से घटाकर रू5000/– कर दिया गया है।

कन्टिन्युअस टफ्टिंग फ्रेम

टफ्टेड कारपेट के लिये उपयुक्त

यह एक मैन्युअल टफ्टिंग प्रक्रिया है। जिसे हाथ से संचालित या इलेक्ट्रिक टफ्टिंग गन का उपयोग कर बड़ी लंबाई के लिए, कन्टिन्युअस कालीन डिजाइन रिपीट के लिए है।

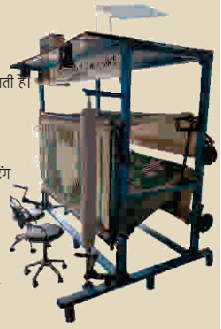

इसमें विशेषताएं हैं जैसे कि :

- आरामदायक काम के माहौल के साथ फ्रेम की एर्गोनोमिक डिजाइन
- इसमें प्राइमरी बैकिंग क्लाथ की एक रोलर द्वारा लगातार आपूर्ति की जाती है।
- बैकिंग क्लाथ गाइड के लिए स्पाइक चेन डिवाइस का चौड़ाई के साथ विस्तार
- क्लाथ रोलर से हैन्ड व्हील द्वारा बैकिंग क्लाथ का लम्बवत खिचांव
- ट्रेसिंग पेपर का उपयोग करके एक साथ डिजाइन मुद्रण या ब्लाक प्रिंटिंग का वैकल्पिक उपयोग।
- माध्यमिक नेट के साथ एक साथ लेटेक्स बैकिंग।
- सौर इन्वर्टर द्वारा गर्म हवा से सुखाने वाली प्रणाली (वैकल्पिक)।
- 200 फुट लंबाई तक क्षमता के साथ कालीन घुमावदार रोलर।
- कालीन उत्पादन की बेहतर गुणवत्ता लगभग प्रति 200 वर्ग इंच प्रति घंटे प्रति बुनकर

मैकेनाइज्ड दरी लूम

फ्लोरल डिजाइन की दरी बिनाइ के लिए उपयुक्त

मशीन की विशेषताएं :

हस्त निर्मित कालीन बुनाई के लिए यहऊर्ध्वाधर दरी हेतु यह एक बेहतर कालीन डिजाइन करघा है।

- वाइन्डिंग बॉबिन से हैक के लिए व्यवस्था
- आरामदायक कमरे के माहौल में बड़ी लंबाइ की वार्पिंग की व्यवस्था
- तीन फिटके गुणक चौड़ाई में डिजाइन की बुनाई के लिए मैकेनिकल जैकार्ड
- धागे से धागे के बीच का अन्तर और सटीक चौड़ाई समायोजन
- पंजा से बढ़िया ठुकाई के लिए पूरी चौड़ाई
- कालीन रोलर पर ज्यादा लपेटने की क्षमता
- एर्गोनोमिक डिजाइन से बुनकरों को थकान से राहत।

लीनो कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त

यह लिनो संरचना के साथ पाइल कालीन का एक ब्राड लूम है। बेहतर टफ्ट विथड्रावल फोर्स के लिए खडी संरचना। कलर स्ट्राइप्स, छोरों की क्षैतिज पंक्ति के कट या लूप, उत्पादन के बाद एम्बासिंग या प्रिंटिंग लिनो कालीनों पर डिजाइन तकनीक

भारत में कालीन क्षेत्र के लिए हस्तनिर्मित कालीन को फिर से स्थापित करना है

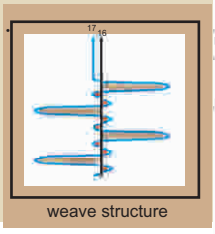

weave structure

जेकार्ड कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त

विशेषताएं।

यह फ्लोरल पाइल कालीन डिजाइनों के लिए हथकरघा हेतु एक विकास है।

• पाइल कालीन में लूप / कट संरचना हेतु 2,3,4 या 5 रंगो की डिजाइन के लिए उपयुक्त

• इसमें मैकेनिकल जेकार्ड द्वारा नियंत्रत तानी का शेड द्वारा तानी सम्मिलन कर के पाइल बनाई गई हैं • प्रत्येक रंग पाइल यार्न के लिए 200 क्रील क्षमता। • सूती तानी बीम से हेल्ड शाफ्ट द्वारा नियंत्रित होते हैं • जेकक्वाई और हेल्ड शाफ्ट के लिए शेडिंग पांव द्वारा पैडल संचालित। • वेफ्ट पिकिंग के लिए शटल हाथ द्वारा संचालित। • 36 इंच चौड़ाई के लिए 6 पाइल प्रति इंच के लिए बनाया गया है • कालीन, 3-4 एनएम ऊनी पाइल यार्न के लिए उपयुक्त।

• मैनुअल कट प्लेट का उपयोग करके कार्ड काटने के अंतहीन डिजाइन तैयार किए जाते हैं। • बुनित कालीन के विभिन्न गुणवत्ता हेतु पाइल का उत्पादन विभिन्न मोटाई के तानों 1/4 से 3/4 इंच द्वारा • दूरदराज के प्राकृतिक गांवों में छोटे बुनकरों के लिए हस्तकला तकनीक है

टेरी लेनो ढेर संरचना

में बुने कालीन का विकास

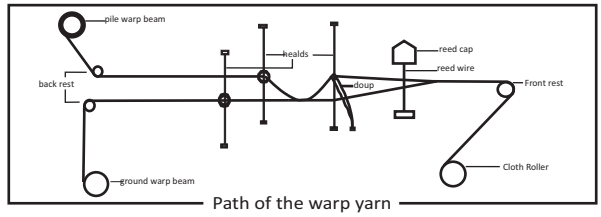

Path of the warp yarn

विशेषताएं

- हथकरघा पर तैयार कालीन।
- इस विशेष हथकरघा में टेरी और लिनो की दोनों तकनीकें हैं।
- हाई टफ्ट विथड्रावल फोर्स, टेरी-लिनो प्रौद्योगिकी के साथ निर्मित कालीन में हैं
- कट पाइल और लूप पाइल दोनों प्रकार के कालीन तैयार किए जा सकते हैं।

4. टी एस आई उद्योगों को तकनीकी समर्थित सेवाएं

संस्थान उद्योग संगठनो को लगातार अपनी विभिन्न प्रयोगशालाओ जैसे– डिजाइन स्टूडियो, भौतिक एवं रासायनिक प्रयोगशाला, कालीन प्रयोगशाला, आदि द्वारा तकनीकी सेवायें दे रहा है जिससे कि वे विश्व बाजार प्रतिस्पर्धा में अपना स्थान बना सकें। वर्ष 2016–17 में किये गये नमूना परीक्षण का विवरण निम्नवत् है :

भौतिकी प्रयोगशाला सेवा	:	57
रसायन प्रयोगशाला सेवा	:	553
कालीन प्रयोगशाला सेवा	:	138
		748
डिजाइन प्रयोगशाला सेवा	:	89
(क) डिजाईन बैंक	: 84	
(ख) डिजाईनो की बिकी	: 5	

कालीन बन्धु सदस्यों की सूची (31.03.2018तक)

1. मेंo भोला नाथ इण्टरनेशनल, वाराणसी।
2. मेंo सहारा कस्तूरी हैण्डीक्राफ्ट्स, लखनऊ।
3. मेंo जया श्री टेक्सटाईल्स, रिसरा।
4. मेंo टैग ब्रदर्स, नई दिल्ली।
5. मेंo ए0बी0सी0 इण्डस्ट्रीज, मीरजापुर।
6. मेंo पीयरलेस कारपेट पैलेस, भदोही।
7. मेंo जी0 एस0 एल0 टेक्सटाईल इन्डिया प्रा0 लि0, लुधियाना।
8. मेंo कान्सेप्ट किएशन्स,पानीपत।
9. मेंo ग्लोस्टर जूट मिल्स लि0 कोलकाता।
10. मेंo जयपुर रग्स कं0 प्रा0 लि0, जयपुर।
11. मेंo पटौदिया एक्सपोर्ट्स, भदोही।
12. मेंo एन्टीक आर्ट एक्सपोर्ट्स प्रा0 लि0,नोएडा।
13. मेंo समारा कारपेट्स (प्रा0) लि0
14. मेंo वेलोसिटी यार्न (प्रा0) लि0 (एसोसिएट सदस्य)
15 मे0 चम्पो कारपेट्स, भदोही।
16 मे0 कलरटेक इण्डस्ट्रीज (प्रा0) लि0

नोट : 1 व 13 आजीवन सदस्य है।

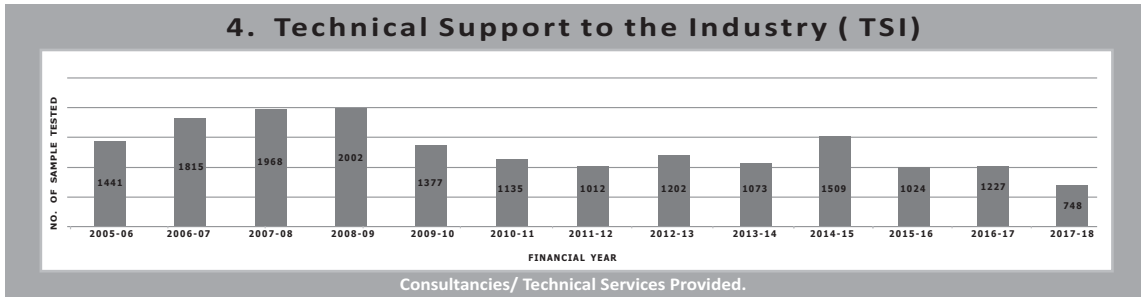

- ❖ संस्थान की प्रयोगशालाए `अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रमाणित है अतः हमारा परीक्षण पत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य है।
- ❖ उद्योग जगत अपने आपूर्ति किये जाने वाले उत्पाद की खरीददार की मांग के अनुसार है अथवा नही,का प्रमाणीकरण की पुष्टि हेतु संस्थान में उपलब्ध सुविधाओ का उपयोग कर सकते हैं।
- ❖ उद्योग जगत अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए परामर्श हेतु संस्थान से फीस आधारित संपर्क कर सकते है।
- ❖ संस्थान ने योग्य एवं रुचि रखने वाले उद्योगो /व्यक्तियों को संस्थान का सदस्य बनाने हेतु 'कालीन बन्धु' मंच तैयार किया है। कोई भी इसका आजीवन अथवा

- ❖ कालीन निर्माण में प्रक्रिया नियंत्रण पुस्तक: यह किताब भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो0(डा.)के.के.गोस्वामी के द्वारा कालीन उद्योग से जुड़े लोगो के लिए लिखी अति महत्वपूर्ण है जो कि आयातको की जरूरतो को पूरा करती हैं। वितरण द्वारा इसका हिन्दी संस्करण भी अनुमोदित योजनाओ के अन्तर्गत प्रशिक्षुओ व अन्य लोगो के वितरण हेतु प्रकाशित किया गया है।

अन्य

- ♦ प्राकृतिक रेशो द्वारा निर्मित जमीन आवरण कालीन
- ♦ प्राकृतिक रंगो का अनुप्रयोग
- ♦ उत्पाद/कार्य विविधिकरण

इच्छुक व्यक्ति/समूह विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें।

संस्थान का दृष्टिकोण

इस संस्थान की स्थापना मुख्य रूप से भारत में कालीन व फ्लोर कवरिंग व टेक्सटाईल के विकास को परोक्ष व अपरोक्ष रूप से बढ़ावा देने हेतु कालीन और वस्त्र उद्योग की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों को निष्पादित करने, जिसमें रणनीतिक रूप से योजना बनाने, पेश करने और कारीगरों को सहायता करने और बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है.

संस्थान का लक्ष्य

विस्तृत दृष्टिकोण व भूमिका में स्पष्टता प्राप्त करने के लिए और पोर्टफोलियो के निर्माण माध्यम से किया गया है। इसके लिए कार्यनीति निम्नानुसार है:

मिशन	गतिविधि
एम 1: मानव संसाधन विकास (एचआरडी)	❖ अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम ❖ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ❖ कालीन और वस्त्र प्रौद्योगिकी में डिग्री कोर्स
एम 2: डिजाइन निर्माण और विकास (डीसीडी)	❖ डिजाइन का निर्माण ❖ कैड का उपयोग द्वारा डिजाइन का विकास ❖ बैंक आफ मोटीफ / डिजाइन
एम 3: अनुसंधान और विकास (आर एंड डी)	❖ उत्पाद विकास ❖ प्रौद्योगिकी उन्नयन ❖ मानकीकरण: (इनपुट प्रोसेस आउटपुट) ❖ प्रायोजित परियोजनाएं
एम 4: उद्योग के लिए तकनीकी सेवा सहायता (टीएसआई)	❖ नमूना परीक्षण ❖ उत्पाद का प्रमाणन ❖ कष्ट निवारण ❖ तकनीकी और प्रबंधन परामर्श

कार्यक्रम शैक्षिक उद्देश्य (पी इ ओ)

संस्थान आइ एस ओ 17025 के लिए मान्यता प्राप्त है। संस्थान के पीइओ को इंगित करने वाली गुणवत्ता नीति निम्नानुसार है:

❖ हमारे छात्रों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए एवं हितधारकों की अनुमानित आवश्यकताओं, को पूरा करने का लक्ष्य रखता है

❖ संस्थान के सभी पोर्टफोलियो में समय–2 पर उद्योग के व अन्य सभी हिस्सेदारों धारकोंऔर संतोषजनक सेवा प्रदान करने के लिए।

❖ निरंतर आधार पर हमारी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली में सुधार करने के लिए इस मानक की आवश्यकताओं का पालन करना।

संस्थान में चल रही परियोजनाओं का विवरण (सरकारी तथा व्यक्तिगत प्रायोजित)

वित्तीय वर्ष 2017 –18

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ Project cost in Rs. Lakhs / coordinated by	Scheme/ Fund Status
1.	Five Handicraft Technical Training Programme at NER-Gangtok	No.-I-15011/9(11)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 07.12.2017, Rs. 50.56 Lakhs/ Dr. S. K. Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund received
2.	Organizing one Design & Technology Development Workshop on Shaggy Carpet at Bhadohi	No.-J-12012/95/2017-18/DS/CR/SC/2035, dt. 01.03.2018 Rs. 4.80 Lakhs / Dr. B. Dasgupta/ Sh. B.C.Ray	Design 80% fund
3.	Organizing one Design & Technology Development Workshop on Patchwork Design on Dhurry Carpet Craft at Bhadohi	No.-J-12012/96/2017-18/DS/CR/SC/2031, dt. 01.03.2018 Rs. 4.80 Lakhs / Sh. S. K. Gupta/ Sh. A. Chatarjee	Design 80% fund
4.	Organizing one Design & Technology Development Workshop on Dyeing of Woolen Carpet Yarn using Natural dyes at Bhadohi	No.-J-12012/97/2017-18/DS/CR/SC/2039, dt. 01.03.2018 Rs. 4.80 Lakhs / Sh. Anu Mishra/ Sh. D. Jana	Design 80% fund
5.	Organizing one Design & Technology Development Workshop on Backing Cloth for tufted carpet at Bhadohi	No.-J-12012/98/2017-18/DS/CR/SC/2043, dt. 01.03.2018 Rs. 4.80 Lakhs / Dr. Moumita Bera/ Sh. A. Agarwal	Design 80% fund
6.	Organizing one Design & Technology Development Workshop on CAD through design concept at Bhadohi	No.-J-12012/99/2017-18/DS/CR/SC/2027, dt. 01.03.2018 Rs. 4.80 Lakhs / Dr. R.Karmakar/ Sh.C.S.Bajpai	Design 80% fund
7.	One Handicraft Technical Training Programme at NER-Shillong	No.-I-15011/9(18)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 09.03.2018, Rs. 10.11 Lakhs, / Dr. S.K.Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund
8.	One Handicraft Technical Training Programme at NER-Assam	No.-I-15011/9(19)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 09.03.2018, Rs. 10.11 Lakhs, / Dr. S.K.Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund
9.	One Handicraft Technical Training Programme at NER-Gangtok Carpet Belt	No.-I-15011/9(20)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 09.03.2018, Rs. 10.11 Lakhs, / Dr. S.K.Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund
10.	One Handicraft Technical Training Programme at NER-Guwahati	No.-I-15011/9(21)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 09.03.2018, Rs. 10.11 Lakhs, / Dr. S.K.Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund
11.	One Handicraft Technical Training Programme at NER-Meghalaya	No.-I-15011/9(22)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 09.03.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund
12.	One Handicraft Technical Training Programme at NER-North Gangtok	No.-I-15011/9(23)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 09.03.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund
13.	One Handicraft Technical Training Programme at Carpet Belt, West Bengal	No.-I-15011/9(24)/NER/HTP/ HRD/2017-18 dt. 07.03.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey/ Sh. Darpan Singh	HRD 50% fund
14	Handmade Dhurry Design based on Indian Motifs at Jaipur Rajasthan	No. J-12012/109/2017-18/DS/NR/GEN, dt. 14.03.2018, Rs. 14.85 Lakhs / Dr. R.Karmakar/ Sh.C.S.Bajpai	Design 80% fund received

पिछले पृष्ठ से आगें ....

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ Project cost in Rs. Lakhs / coordinated by	Scheme/ Fund Status
15.	Handmade Dhurry Design based on Jaipuri Designs at Jaipur Rajasthan	No. J-12012/110/2017-18/DS/NR/GEN, dt. 14.03.2018, Rs. 14.85 Lakhs / Dr. R.Karmakar/ Sh.C.S.Bajpai	Design/ Received 80% fund
16.	Sanganeri Block Printing on Cotton Dhurry Crafts at Jaipur Rajasthan	No. J-12012/111/2017-18/DS/NR/GEN, dt. 14.03.2018, Rs. 14.85 Lakhs/ Dr. R.Karmakar/ Sh.C.S.Bajpai	Design Received 80% fund
17.	Bagru Block Printing on Woolen Dhurry Craft at Jaipur Rajasthan	No. J-12012/112/2017-18/DS/NR/GEN, dt. 14.03.2018, Rs. 14.85 Lakhs / Dr. R.Karmakar/ Sh.C.S.Bajpai	Design Received 80% fund
18.	One Handicraft Technical Training Programme at Bikaner (East) Carpet Belt,	I-15011/9(1)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs/ Dr. S. K. Pandey	HRD/ 50% fund
19.	One Handicraft Technical Training Programme at Bikaner Carpet Belt, (Sri Kotayet)	I-15011/9(2)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs/ Dr. S.K.Pandey	HRD/ 50% fund
20.	One Handicraft Technical Training Programme at Bikaner, Carpet Belt, (Loon Karansar)	I-15011/9(3)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs/ Dr. S.K.Pandey	HRD/ 50% fund
21.	One Handicraft Technical Training Programme at Bikaner, Carpet Belt, (Nokha)	I-15011/9(4)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs/ Dr. S.K.Pandey	HRD/ 50% fund
22.	One Handicraft Technical Training Programme at Bikaner, Carpet Belt, (Khajuwala)	I-15011/9(5)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs/ Dr. S.K.Pandey	HRD/ 50% fund
23.	One Handicraft Technical Training Programme at Bikaner(West), Carpet Belt,	I-15011/9(7)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs/ Dr. S.K.Pandey	HRD/ 50% fund

बी0 टेक0 प्रथम वर्ष में प्रवेश :

संस्थान के बी0 टेक0 कार्यक्रम में कुल 60 सीटें है। जे ओ एस ए ए (संयुक्त सीट निर्धारण प्राधिकरण 2017) ने कुल 60 छात्रों को प्रवेश हेतु निर्धारित किया था, जिसमें 43 छात्रों ने प्रवेश लिया।

शिक्षण शुल्क में छूट :

सरकार/ डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनउ, द्वारा निर्धारित शिक्षण शुल्क छात्रो द्वारा मान्य।

सत्रारम्भ :

बी0 टेक0 पंचम एवं सप्तम अर्द्धान्स की कक्षाओं के लिए नया सत्र 02 अगस्त 2016 से तथा प्रथम व तृतीय, अर्द्धान्स के लिए 16 अगस्त 2017 से कक्षाएँ प्रारम्भ हुई।

परीक्षाफल एवं उपलब्धि :

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 के दौरान चौदहवें बैच (2014–18) के 69 छात्रों ने परीक्षा दी,
आठवें सेमेस्टर के 69 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र प्रोन्नत हो गए।
छइवें सेमेस्टर के 46छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र चौथे वर्ष में प्रोन्नत हो गए।
चौथे सेमेस्टर के 55 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र तृतीय वर्ष में प्रोन्नत हो गए।
दूसरे सेमेस्टर के 44 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र द्वितीय वर्ष में प्रोन्नत हो गए।

31 मार्च 2018 तक सभी अधिकारी व कर्मचारियों की सूची

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पद
1.	प्रो0 (डा0) के0 के0 गोस्वामी	प्रोफेसर एवं निदेशक
2.	डा0 आर0 कर्माकर	एसोसिएट प्रोफेसर, सी.टी.डी
3.	श्री जयहिन्द चौहान	प्रयोगशाला सहायक, टेक्सटाईल टेस्टिंग
4.	श्री आर. के. मलिक	एसोसिएट प्रोफेसर,सी.टी.सी
5.	श्री बी. सी. रे	कार्यशाला प्रभारी
6.	श्री जगदीश	अकुशल श्रमिक
7.	श्री सिद्धार्थ शुक्ला	प्रशासनिक एवं सुरक्षाधिकारी
8.	श्री जयंत देशपांडे	पुस्तकालयाध्यक्ष
9.	डा0 बेट्टी दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर,सी.टी.
10.	श्री सी.एस. वाजपेयी	डिजाईन प्रयोगशाला प्रभारी
11.	श्री उमाकान्त श्रीवास्तव	प्रशासनिक सहायक
12.	डा0 एस. के. पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर,सी.एस.एम
13.	मो0 वसीम अंसारी	पुस्तकालय सहायक
14.	श्री अमिताभ चटर्जी	प्रयोगशाला सहायक, इंजी.
15.	श्री अणु मिश्र	सहायक प्रोफेसर,एफ.एस.टी.
16.	श्री श्रवण कुमार गुप्ता	सहायक प्रोफेसर,टेक. (होम टेक्सटाइल)
17.	श्रीमती प्रीती चौरसिया	प्रयोगशाला सहायक, टेक्सटाइल्स
18.	श्री गोविन्द यादव	प्रयोगशाला सहायक, इलेक्ट्रानिक्स
19.	श्री राजेश वर्मा	सहायक प्रोफेसर, इन्जीनियरिंग *
20.	प्रो0 (डा0) सनत कुमार पाल	प्रोफेसर
21.	श्री दुर्गेश कुमार त्रिपाठी	लेखाधिकारी
22.	डा0 मोउमिता बेरा	सहायक प्रोफेसर,टी.डी..टी.
23.	डा0 अतनु मन्ना	सहायक प्रोफेसर, गणित
24.	श्री डी0 जाना	प्रयोगशाला प्रभारी, रसायन
25.	श्री अनुपम अग्रवाल	प्रयोगशाला प्रभारी, भौतिकी
26.	श्री एच. एस. मोहापात्रा	सहायक प्रोफेसर
27.	श्री दर्पण सिंह	कम्प्यूटर लैब सहायक
28.	श्री विजय कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रिक टेक्नीशियन
29.	श्री नरेश कुमार	ड्राईवर

* (Releaved on DEC. 2017)

All designation/ posts are made/being made unique in nature to build unique capacity required for the sector. Addition of employee to designation (s) may take place in due course of time to meet institute's requirement. The EC vide meeting dated 22.06.2007 resolved the issue as "Recruitment Rules including Reservation/Roster etc. to be followed/framed for all the regular posts created and being created through EFC Phase I & II respectively"

Visiting/Guest Faculty Engaged

1. श्री शरत चंद्र महतो
2. डा0 अभिषेक पान्डेय
3. श्री डी. पी. गोस्वामी
4. डा. कौशलेन्द्र मिश्रा
5. डा. मनीष सिनहा
6. यू. पी.श्रीवासत्व

The engagement of visiting/guest faculty was made according to Service Rule of IICT, as per the clause no. 1 (1.13) of the Delegation of Administrative & Financial power to Director, IICT.

भा का प्रौ सं संस्थान में पधारे आगन्तुक

एवं उनकी टिप्पणियां

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
4-2-2017	उमाशंकर मिश्र 'रंग' शास्त्री पूर्व प्रधानाचार्य श्री शिव इ० कालेज, मीरजापुर	श्री के० के० गोस्वामी निदेशक आई० आई० सी० टी० अत्यन्त कर्मठ एवं संस्था के प्रति समर्पित, व्यापक भावना, क्रियाशीलता से सम्पन्न व्यक्तित्व के धनी महामानवतावादी व्यक्ति, उदार व्यक्तित्व के धनी हैं। आप की रचनात्मक कार्य शैली, सतत उन्नयन की सद्भावना, प्रबन्धात्मक क्षमता अति प्रभावोत्पादक है जो संस्था के उन्नयन में अपनी अहं भूमिका रखती है। आई० आई० सी० टी० के प्रगति के इतिहास में आप का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित किया जायेगा। [signature] 4-2-2017
very impressive operation I am happy to see someone is putting effort in educating in oriental rugs. K. Rahman		
18/4/2017	KESHAV KUMAR, DIRECTOR, Ministry of Textiles	I appreciate the commitment of Dr. S.L. Goswami and Prof & staff in running this institution successfully. It was pleasure interacting with the students some of which are even placed abroad. I hope the institute further diversify its [illegible].
7th April 2017	Caroline Dulko Tom Dixon, London	Very interesting & inspiring - a great institute and very knowledgeable.
21st April 2017	FR. JOSEPH HARENDER St. Mary's School, Nai Bazar, Bhadohi	- Very good and informative - I liked is very much. - The invention of Mr. K. K. Goswami is an eye opener.
12/05/2017	श्री सत्यदेव पचौरी मा० मंत्री खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हस्तशिल्प, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन, उ० प्र० शासन	संस्थान के भ्रमण से प्रसन्नता हुई। [illegible] कालीन [illegible] युवाओं को प्रशिक्षण का कार्य [illegible] सराहनीय प्रयास है। [signature]
26/05/2017	ओम प्रकाश राजभर मंत्री दिव्यांगजन सशक्तीकरण व पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग [illegible]	धन्यवाद यहाँ आने पर बड़ी प्रसन्नता हुई जो बेरोजगारों को [illegible] कालीन [illegible] का रोजगार दिलवा रहा है इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद [signature] 26-05-17

संस्थान में पधारे आगन्तुक

एवं उनकी टिप्पणियां

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
2/6/2017	G. Ganbold, Ambassador of Mongolia 34, Archbishop Macaries Marg, ND 110003	I am glad to have an opportunity of getting acquainted with the Indian Institute of Carpet Technology and wish every success in its multifaceted activities.
3/6/2015	Sukh Lal Bharti Spl Secy. Hand Loom & Textile Govt of U.P	Today I have visited IICT. It is told that it is a single institution in the world, related to carpet sector. It is a doing a world level segment relating carpet. faculties are expert. Dr S.K Pandey Associate Prof. is a most innovative person in the institute. My best wishes for development of this institute. 3/6/2015
14/06/2017	VIJAY KAPOOR. M/S KAPOOR CARPETS MAHABIR ROAD ORDALLY BAZAR VNS.	Today I Visited Ist Time we Have to Visite MORE to GET MORE INFORMation. MR Goswamiji working. Very HARD and MANEGE our Importer NEEDS MORE To SEAS. we will Visit AND Give More time. 9935053126
22/07/2017	Maura Mullaney U.S.A.	Seems like a great place to study thank you so much for having me and showing me around!!
08/08/2017	SAURABH SINGH Student 2001-2005	It is always a Privilege to Come back and Visit our beautiful Institute. Happy to see us Progressing together.

संस्थान में पधारे आगन्तुक एवं उनकी टिप्पणियां

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
24/10/17	Himanta Rabha Sr. Project Officer IIE, Guwahati	Feel glad to see your institute its technology & other facilities on Carpet weaving. We look forward your cooperation in near future [signature] 24/10/17
31/10/17	Yamini Girotra Co-Founder, The Home Dream Australia	Loved the workshop area of the institute. The dying and loom were eye opening. Amazing staff and campus. Yamini 31/10
31/X/2017	Prem Prakash IPS IG Range Mirzapur.	highly impressed with the presentation about the IICT by the Founder Director. My best wishes. [signature] 31/X
28/11/2017	V. KUMAR CHAIRMAN HEPC Chennai.	Great initiative by IICT for the carpet industry - very impressive and good team work by the faculty. Our best wishes to IICT and looking forward to work with them to take the industry to the next level. [signature]

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
16/3/2018	Dr H R NAGENDRA CHANCELLOR, S-VYASA Yoga University Swami Vivekanand Yoga Anusandhan Samsthan, Prashanti Kutiram Jigani Bangalore.	Creativity for innovation is a must. So nice to see the same done by your design department. perfection needs strict monitoring and standardisation. Calibration achieves this. wonderful to see it happening with certifications from ISOs. Add yoga, it will add a new dimension to both. Specialised yoga modules for enhancing creativity and precision have been developed. We will be happy to add them in your Courses. All the best With Love नागेन्द्र

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रकाशन

प्रो. (डा.) के.के. गोस्वामी, निदेशक,आई.आई.सी.टी.

- किताब
  एडवान्सेस इन कारपेट मैनुफैचर, द्वितीय संस्करण
  एल्सेवियर प्रकाशन

प्रो. डा. सनत कुमार पाल, प्रोफेसर, आई.आई.सी.टी.

कार्यशाला :

1. एनआइटीटीटीआर, कोलकाता में,मानव संसाधन प्रबंधन की अनिवार्यताओं पर कार्यशाला 10.07.17 से - 14.07. 17 तक 05 दिन,
2. एनआइएमआइ, चेन्नइ के द्वारा हस्त गठित कालीन बुनकरों के विकास हेतु हैंड बुक, एचसीएसएससी के लिए विशेषज्ञ

डा. आर कर्माकर, एसोशिएट प्रोफेसर, आई.आई.सी.टी.

समन्वयक परियोजना / कार्यशाला:

दि. 21-10-2017 से 21-11-2017 तक कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, एससी श्रेणी कारीगरों हेतु "आइ.आइ.सीटी-भदोही में आयोजित डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशाला के तहत "आइ.आइ.सी.टी भदोही में कैड के माध्यम से डिजाइन निर्माण के बुनियादी तत्व का विकास" पर 25 दिनों की कार्यशाला आयोजित की गई ।

दि. 23-11-2017 से 23-12-2017 तक कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, एससी श्रेणी कारीगरों हेतु "आइ.आइ.सीटी-भदोही में आयोजित डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशाला के तहत "आइ.आइ.सी.टी भदोही में टफ्टेड कालीन में कैड का उपयोग करके आधुनिक कालीन डिजाइन" पर 25 दिनों की कार्यशाला आयोजित की गई ।

डा. अतानु मान्ना, एसिस्टेंट प्रोफेसर, (गणित) आई.आई.सी.टी.

प्रकाशन (2017-18):

1. ए मन्ना, नर्म इनइक्युलिटीज इन्वालविंग अपर बाउन्ड आफ सर्टेन मैट्रिक्स आपरेटर्स इन ओर्लिक्ज-टाइप सीक्युएन्स स्पेसेस, द जर्नल आफ एनालिसिस, 2018, स्प्रिगर।
2. ए मन्ना, फैक्टोरिज्ड एन्हांसमेंट आफ काप्सन्स इनेक्वेलिटी, तमकांग जर्नल आफ मैथमैटिक्स ,49(3), 195-203, 2018. (तमकांग विश्वविद्यालय प्रेस)
3. ए मन्ना, पी डी श्रीवास्तव, प्रापर्टी(के-बीटा) आफ मुजिएलक - ओलिंक्ज सेजारो स्पेसेस-रैक्सम,,डीओआई: 10.1007 / एस 133 9 8-017-048 9 -1।(स्प्रिगर)
4. ए मन्ना, सर्टेन जिओमेट्रिक स्ट्रक्चर्स आफ लैम्बडा-सीक्युएन्स स्पेसेस, एडवान्सेस इन ओपरेटर थ्योरी, 3(2) (2018), 433-450। (परियोजना यूक्लिड-टीएमआरजी)
5. ए मन्ना, नर्म इनइक्युलिटीज इन्वालविंग अपर बाउन्ड फार आपरेटर्स इन ओर्लिक्ज-टेलर सीक्युएन्स स्पेसेस, सीसीआई एस सम्मेलन की कार्यवाही (आइसीएमसी)2018, स्प्रिगर।
6. पी.डी. डी श्रीवास्तव और ए मन्ना, आन माड्यूलर डिफरेन्स सीक्वेन्स स्पेसेस, थाई जर्नल आफ मैथमेटिक्स, 2018 (चियांग माई विश्वविद्यालय, विज्ञान संकाय- थाईलैंड)

Sh. S. K. Gupta, Asstt.Professor IICT

जर्नल प्रकाशन–

- श्रवण कु. गुप्ता, ए मजूमदार और के के गोस्वामी,प्रतिक्रिया सतह पद्धति का उपयोग कर परसियन ऊनी कालीन का संपीडन, इन्डियन जर्नल आफ़ फाइबर एंड टेक्सटाइल रिसर्च, 2017, वाल्यूम 42, 399 -406।
- आर के वर्मा, एस के गुप्ता और एच एस मोहपात्रा, में मशीन निर्मित टफ्टेड कालीन की गुणवत्ता विशेषताओं में बहु उद्देशीय अनुकूलन : उपयोगिता सिद्धांत आधारित - दृष्टिकोण की खोज, इण्टरनेशनल जर्नल आफ इन्डस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड डिजाइन, 2017, 3 (2), 8-15।
- एस के गुप्ता और के. के. गोस्वामी, ऊन, अनुपचारित और रासायनिक उपचारित जूट पाइल यार्न के साथ उत्पादित हस्तनिर्मित कालीनो का लागत-लाभ व प्रदर्शन जर्नल आफ दि इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज ई, मार्च 2018, https://doi-org/10-1007/s40034-018-0114-7.
- श्रवण कु. गुप्ता, के के गोस्वामी, और जी के सिंह, हैंड टफ्टेड कालीन में जूट पाइल यार्न का प्रयोग, इंडियन जर्नल आफ नेचुरल फाइबर, वाल्यूम- 4(1), जुलाई 2017

पुस्तक अध्याय लेखक–

संपादित किया गया, "एडवान्सेज इन कारपेट मैनुफैक्चर " शीर्षक वाली किताब का अध्याय 16 "कारपेट वीयर परफारमेंस " प्रोफेसर (डा.) के. के. गोस्वामी, वुडहेड पब्लिशिग, 2017

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन–

एडवांस मैटेरियल्स, टेक्सटाइल्स एंड प्रोसेसिस - 2017, यूपीटीटी आई, कानपुर में 14-15 अक्टूबर, 2017 को कानपुर में इण्टरनेशनल कान्फरेन्स में "माडॅलिंग आफ कम्प्रेशनल बिहैवियर आफ तिबेतन हैन्ड नाटेड वूल कारपेट्स यूजिंग रेसपान्स सरफेस मेथडालॉजी " नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

09-11 फरवरी, 2018 को आई.आई.टी, दिल्ली में फंक्शनल टेक्सटाइल और टेक्सटाइल 2018 पर इण्टरनेशनल कान्फरेन्स में "थिकनेस लॉस आफ हैण्डमेड कारपेट आफ्टर डायनॉमिक लोडिंग" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

Sh. R.K. Malik, Associate Professor & Dean, IICT

7 से 13 नवंबर, 2017 तक "बायोप्रोसेस इंस्ट्रुमेंटेशन एंड बायोरेक्टर डिजाइन में नियंत्रण" पर क्यूआइपी शार्ट टर्म कोर्स शीर्षक सेमिनार में भाग लिया।

पेपर प्रकाशित

"डेवलपमेंट आन ब्राइटनेस आन हैन्डमेड वूलन कारपेट्स ",
आर के मलिक और के.के.गोस्वामी

Continue to next Page

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रकाशन

श्री जयंत देशपांडे, लाइब्रेरियन, आई.आई.सी.टी.

अभिविन्यास पाठ्यक्रम

"यूजीसी-एचआरडीसी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 15.05.2017 से 11.06.2017 तक भाग लिया और ग्रेड" ए "प्राप्त किया।

प्रकाशन:

1. 2018, डिजिटल पुस्तकालय: मानकों, प्रोटोकश्वल और प्रारूपों का एक सिंहावलोकन, पुस्तकालय और सूचना अध्ययन के अंतर राष्ट्रीय जर्नल, वाल्यूम 8 (1) जनवरी -मार्च, 2018 प्रभाव फैक्टर 2.8 आइएसएसएन 2231 -4911।

2. 2018, लाइब्रेरी का उपयोग और सूचना के स्रोतों के रूप में इंटरनेट, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च, वाल्यूम 5, अंक 1 (II): जनवरी - मार्च, 2018 इंपैक्ट फैक्टर 3.25 आइएसएसएन 2394-7780।

3. 2018, पुस्तकालय विज्ञान पर आइटी क्रांति का प्रभाव, प्रभाव: मानविकी, कला और साहित्य में अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (प्रभाव: आइजेआरएचएएल), वाल्यूम 6, अंक 2, फरवरी 2018, 53-56 प्रभाव फैक्टर 3.6586 आइएसएसएन (पी) 2347-4564 (आइएसएसएन (इ): 2321-8878।

4. 2017, आवेदन और चुनौती: लाइब्रेरी सेवाओं में मोबाइल टेक्नोलाजीज, जीइ-इंटरनेशनल जर्नल आफ् इंजीनिय रिंग रिसर्च, वाल्यूम 5, अंक 6, जून 2017, पीपी 27-31 प्रभाव फैक्टर 5.613 आइएसएसएन (ओ) 2321-1717.
5. 2017, पुस्तकालयों में आइटी आवेदन की भूमिका

6. 2017, सूचना सेवाओं का विपणन

7. 2017, आइसीटी पर्यावरण में पुस्तकालय सेवा, उन्नत इंजीनियलरग, प्रबंधन और विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

   (आइजेएइएमएस), खंड 3, अंक 2, (फरवरी 2017), प्रभाव फैक्टर 3.661 आ एसएसएन: 2454-1311।

पुस्तक अध्याय

डा.अर्जुन सिह के सम्मान में "पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में बदलते परिदृश्य" 2018.आईएसबीएन: 978-81-7880-797-3 के सम्मान में एक उत्सव मात्रा में रजत प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ एक अध्याय प्रकाशित करना।

संपादकीय बोर्ड के सदस्य:

इंटरनेशनल जर्नल आफ लाइब्रेरी आटोमेशन, नेटवर्किंग एंड कंसोर्टिया (आइजेएलएसी)।

श्री बी.सी.रॉय, कार्यशाला प्रभारी, आई.आई.सी.टी.

प्रकाशन:

1. "हाथ से बने कालीन में ऊन का प्रयोग परिप्रेक्ष्य- कुछ

   तकनीकी हस्तक्षेप "बिमान चंद्र रॉय, सांगिता देवदारिया, दिव्य ओझा, द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित ,राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रुझान और अग्रिम ऊन और विशिष्ट बाल विशेषता में "दि. 16-17 मार्च, 2018. स्थान-वस्त्र और वस्त्र विभाग, जीबी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर।

2. "कालीन उद्योग में कौशल उन्नयन की भूमिका सामाजिक -अर्थिक परिप्रेक्ष्य "संयुक्त रूप से प्रकाशित अनु मिश्रा द्वारा, बी.सी. रे, राष्ट्रीय सम्मेलन में फैशन परिधान और वस्त्र (एनसीएफएटी -18) पर विषय "अभिनव और उद्यमिता" एक रास्ता फैशन और वस्त्र उद्योग के विकास के लिए, दि.-27 मार्च 2018, स्थान- एमिटी स्कूल आफ फैशन टेक्नोलाजी, एमिटी निदेशालय एप्लाइड आर्ट्स / ललित कला / प्रदर्शन कला / दृश्य कला एमिटी विश्वविद्यालय,

श्री चद्र शेखर वाजपेयी, प्रभारी कैड लैब, आई.आई.सी.टी.

- सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में , सीइपीसी द्वारा प्रायोजित: इंडिया कार्पेट एक्सपो - 2017 में दि. 03/10/2016 से 06/10/2016 तक भाग लिया गया,
- प्रगति मैदान, नई दिल्ली में सीइपीसी द्वारा प्रायोजित: इंडिया कार्पेट एक्सपो - 2017 में 27/03/2017 से 30/03/2017 तक भाग लिया,

समन्वय परियोजना / कार्यशाला:

- दि. 21-10- 2017 से 21-11-2017 तक कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, एससी श्रेणी कारीगरों हेतु "आइ.आइ.सीटी-भदोही में आयोजित डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशाला के तहत "आइ.आइ.सी.टी भदोही में कैड के माध्यम से डिजाइन निर्माण के बुनियादी तत्व का विकास" पर 25 दिनों की कार्यशाला आयोजित की गई ।

- दि. 23-11- 2017 से 23-12-2017 तक कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, एससी श्रेणी कारीगरों हेतु "आइ.आइ.सीटी-भदोही में आयोजित डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशाला के तहत "आइ.आइ.सी.टी भदोही में टफटेड कालीन में कैड का उपयोग करके आधुनिक कालीन डिजाइन" पर 25 दिनों की कार्यशाला आयोजित की गई ।

ग्राफीय प्रस्तुतिकरण

उद्योग को अब तक प्रदत्त सेवाएं तथा डिजाईन लैब सेवाएं

परीक्षण सेवाएं

उद्योग को तकनीकी सहयोग (टी.एस.आई.)

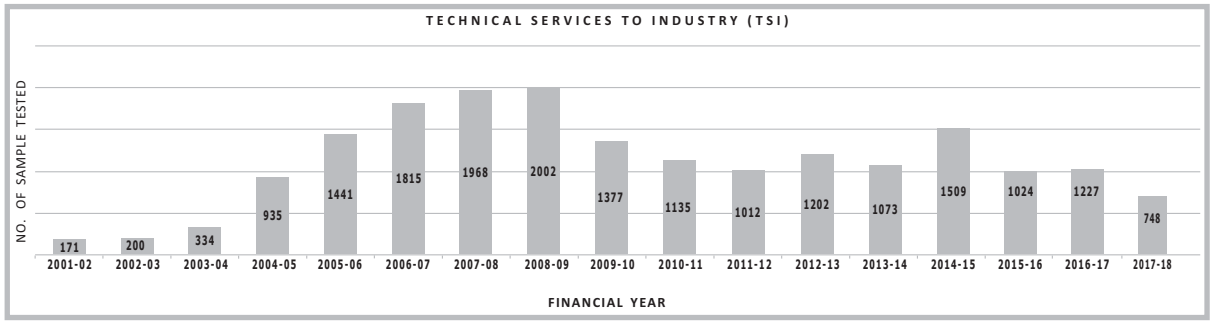

डिजाईन लैब की सेवाएं

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण डिजाईन बिकी पर आधारित)

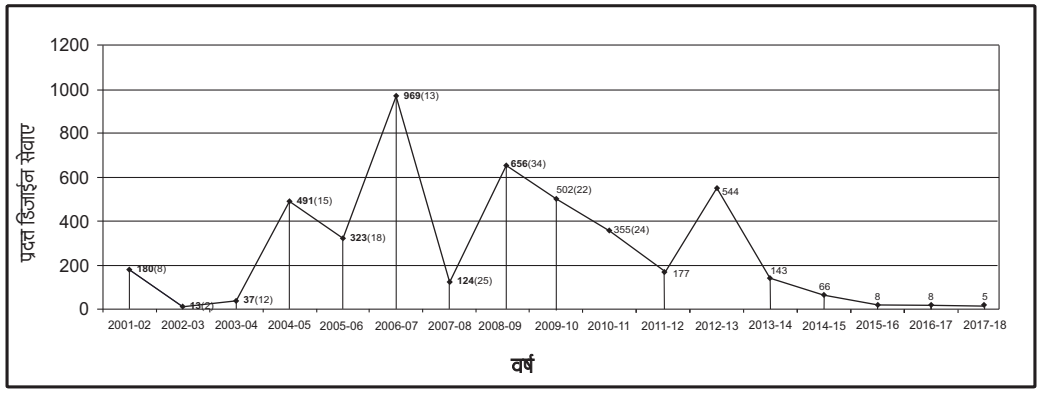

डिजाईन लैब द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षु

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षुओं की संख्या पर आधारित)